

वज्जिज्ञान के क्षेत्र में लैंगिक अंतराल

प्रीलिमिन्स के लिये

महिलाओं और बालिकाओं की पहुँच से संबंधित अंतरराष्ट्रीय दविस

मेन्स के लिये

वज्जिज्ञान के क्षेत्र में लैंगिक अंतराल के संबंध में प्रमुख बढि व कारण

चर्चा में क्यों?

प्रतविरष 11 फरवरी को संयुक्त राष्ट्र द्वारा वज्जिज्ञान के क्षेत्र में महिलाओं और बालिकाओं की पहुँच से संबंधित अंतरराष्ट्रीय दविस (International Day of Women and Girls in Science) मनाया जाता है।

पृष्ठभूमि

- संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 22 दसिम्बर 2015 को एक संकल्प पारति कर वज्जिज्ञान के क्षेत्र में महिलाओं और बालिकाओं की पहुँच से संबंधित अंतरराष्ट्रीय दविस का शुभारंभ कया गया। यह वज्जिज्ञान और प्रोद्योगिकी के क्षेत्र में महिलाओं और बालिकाओं की भूमिका का मूल्यांकन करेगा।
- इसका क्रयिान्वयन यूनेस्को और यूएन वुमेन के सहयोग से कई अन्य अंतर-सरकारी संगठनों और संस्थाओं के द्वारा सामूहिक रूप से कया जा रहा है।

उद्देश्य

- संयुक्त राष्ट्र द्वारा वज्जिज्ञान के क्षेत्र में महिलाओं और बालिकाओं की समान पहुँच एवं भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से इसे प्रोत्साहति कया जा रहा है।
- इसके अतिरिक्त यह लैंगिक अंतराल को कम करने तथा महिला सशक्तिकरण की दशा में भी कार्य करेगा।

प्रमुख बढि

- संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, वशिव के महान वैज्जिज्ञानिक और गणतिज्जों की सूची में कुछ महिलाओं का नाम प्रमुखता से लया जाता है परंतु उन्हें वज्जिज्ञान से जुड़े उच्च अध्ययन क्षेत्रों में शीर्ष वैज्जिज्ञानिक उपलब्धि हासलि करने वाले अपने पुरुष समकक्षों के सापेक्ष कम प्रतनिधित्व प्राप्त होता है।
- यूनेस्को द्वारा वैश्विक रूप से वज्जिज्ञान के क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी पर तैयार की गई वर्ष 2018 की एक रिपोर्ट के अनुसार, शोधकर्त्ताओं में सरिफ 28.8% महिलाएँ हैं। यह शोधकर्त्ताओं को "नए ज्जिज्ञान की अवधारणा या निर्माण में लगे पेशेवरों" के रूप में परभाषति करता है।
- भारत के संदर्भ में शोध के क्षेत्र में महिलाओं और बालिकाओं की भागीदारी गरिकर 13.9% पर पहुँच गई है।
- वर्ष 1901 से 2019 के बीच भौतिकी, रसायन और चकितिसा वज्जिज्ञान के क्षेत्र में 616 वज्जिताओं को 334 नोबेल पुरस्कार दयि गए हैं, जनिमें से 20 नोबेल पुरस्कार सरिफ 19 महिलाओं को प्राप्त हुए हैं।
- वर्ष 2019 तक भौतिकी के क्षेत्र में 3 महिलाओं, रसायन के क्षेत्र में 5 महिलाओं तथा चकितिसा वज्जिज्ञान के क्षेत्र में 12 महिलाओं को नोबेल पुरस्कार प्रदान कयि गए हैं, जनिमें **मैडम क्यूरी** को भौतिकी व रसायन वज्जिज्ञान दोनों ही क्षेत्रों में नोबेल पुरस्कार प्राप्त हुआ है।
- वर्ष 2019 में अमेरिकी गणतिज्ज **करेन उहलेनबेक (Karen Uhlenbeck)** गणति के क्षेत्र का प्रतषिठति **'एबेल पुरस्कार (Abel Prize)'** प्राप्त करने वाली पहली महिला बनी।
- वर्ष 1936 से 2019 के बीच 59 पुरुष समकक्षों के सापेक्ष वर्ष 2014 में फील्ड्स मेडल प्राप्त करने वाली ईरान की एकमात्र महिला गणतिज्ज **मरयम मरिजाखानी (Maryam Mirzakhani)** थी।

वज्जिज्ञान के पाठ्यक्रम में महिलाओं का प्रतनिधित्व

- यूनेस्को के अनुसार, वर्ष 2014 से 2016 के बीच केवल 30% छात्राओं ने उच्च शक्तिषा में STEM (साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग और

मैथमेटिक्स) से संबंधित क्षेत्रों का चयन किया है।

- छात्राओं की नामांकन दर सूचना प्रौद्योगिकी (3%), प्राकृतिक विज्ञान, गणति, सांख्यिकी (5%) तथा इंजीनियरिंग व संबंधित क्षेत्रों (8%) में अपेक्षाकृत रूप से कम है।
- भारत में वर्ष 2016-17 की नीतिआयोग की रपिर्ट में वत्तीय वर्ष 2015-16 तक पछिले पाँच वर्षों में वभिन्नि वषियों में महिला नामांकन की तुलना की गई है।
- वर्ष 2015-16 में सनातक के इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम में 15.6% नामांकन दर के सापेक्ष छात्राओं की भागीदारी 9.3% रही। वहीं चकित्सा विज्ञान में नामांकन दर 4.3% रही।
- रपिर्ट के अनुसार कला के क्षेत्र में महिलाओं ने अपनी प्राथमकिता प्रदर्शति की परंतु वत्तीय वर्ष 2010-11 से 2015-16 के बीच विज्ञान के क्षेत्र में महिलाओं का प्रतनिधित्व लगातार बढ़ा है।
- रपिर्ट में ये तथ्य प्रकाश में आए हैं कि 620 से अधिक संस्थानों और विश्वविद्यालयों (IIT, NIT, ISRO और DRDO समेत) में महिलाओं की उपस्थति वैज्ञानिक और प्रशासनिक कर्मचारियों के बीच 20.0%, पोस्ट-डॉक्टोरल फ़ैलोशिप में 28.7% और पीएचडी विद्वानों के बीच 33% है।

विज्ञान के क्षेत्र में लैंगकि अंतराल क्यों?

- वभिन्नि अध्ययनों में यह पाया गया है कि बालिकाएँ स्कूल में गणति और विज्ञान-उन्मुख वषियों में उत्कृष्टता प्राप्त करती हैं लेकिन आत्मविश्वास की कमी के कारण इन वषियों को उच्च शकिषा के स्तर पर नहीं अपनाती हैं, जबकि बालकों में यह आत्मविश्वास होता है कि वे बेहतर कर सकते हैं। यही आत्मविश्वास उन्हें उच्च शकिषा के स्तर पर गणति और विज्ञान-उन्मुख वषिय अपनाने के लिये प्रेरति करता है।

आगे की राह

- नीतिआयोग की रपिर्ट में कहा गया है कि विज्ञान उन्मुख वषियों में महिलाओं के प्रवेश की समस्या प्रत्येक क्षेत्र में एक समान नहीं है। शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में स्कूल स्तर पर बालिकाओं के बीच इंजीनियरिंग या भौतिक विज्ञान या रसायन विज्ञान जैसे वषियों को लोकप्रिय बनाने के लिये हस्तक्षेप किया जा सकता है।
- बालिकाओं के बीच विज्ञान उन्मुख वषियों के प्रति आत्मविश्वास को बढ़ाने के लिये गैर सरकारी संगठनों की सहायता प्राप्त की जा सकती है, जिसे उनकी समय-समय पर काउंसलिंग की जा सकती है।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: <https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/how-wide-is-the-gender-gap-in-science>

